भारत सरकार
रेल मंत्रालय

राज्य सभा
22.07.2022 के
अतारांकित प्रश्न सं. 787 का उत्तर

सामान्य और त्यौहारों के मौसम में प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों की संख्या में वृद्धि

787 श्री राम नाथ ठाकुर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि सामान्य और त्यौहारों के मौसम के दौरान उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाली ट्रेनों की प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो जाती है;

(ख) क्या यह भी सच है कि आरक्षित बोगी में प्रतीक्षा सूची वाले यात्री घुस जाते हैं जिसके कारण स्लीपर क्लास में अत्यंत भीड़ हो जाती है; और

(ग) क्या सरकार उत्तर प्रदेश और बिहार जाने वाले यात्रियों की बड़ी संख्या को देखते हुए इस मार्ग पर और अधिक ट्रेनें चलाने पर विचार करेगी?

उत्तर

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ग): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

******

Sk

सामान्य और त्यौहारों के मौसम में प्रतीक्षा सूची वाले टिकटों की संख्या में वृद्धि के संबंध में 22.07.2022 को राज्य सभा में श्री राम नाथ ठाकुर के अतारांकित प्रश्न सं. 787 के भाग (क) से (ग) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क): भारतीय रेल में आरक्षित सीटों की मांग का पैटर्न पूरे वर्ष भर एक समान नहीं होता है और यह गैर-व्यस्त और व्यस्त अवधियों में भिन्न-भिन्न होता है। इसके अलावा, कम ठहराव और गंतव्य स्थान पर पहुंचने में कम समय लेने वाली लोकप्रिय और सुविधाजनक समय पर चलने वाली गाड़ियों में आम तौर पर यात्री अधिक होते हैं और उनमें प्राय: पूरे वर्ष प्रतीक्षा सूची रहती है। बहरहाल, अन्य गाड़ियों जिनमें इनमें से एक या सभी सुविधाएं मौजूद नहीं होती हैं, उन्हें यात्रियों द्वारा यात्रा करने के लिए दूसरे विकल्प के रूप में चुना जाता है। बहरहाल, प्रतीक्षा सूची के टिकटों के राज्य-वार आंकडे नहीं रखे जाते हैं।

(ख) : आरक्षित डिब्बों में यात्रा करने वाले प्रतीक्षा सूची के यात्रियों के कुछ उदाहरण भारतीय रेलद्वारा की गई जांच के दौरान देखने को मिलते हैं। गाड़ियों में अनधिकृत प्रवेश को रोकने के लिए नियमित रूप से जांच की जाती हैं जिसे अत्यधिक भीड़-भाड़ वाली अवधि/त्योहारी मौसम के दौरान तेज कर दिया जाता है।

(ग) : भारतीय रेल राज्य-वार आधार पर रेल सेवाओं का परिचालन नहीं करती है, क्योंकि रेलवे नेटवर्क राज्य की सीमाओं को पार करता है। हालांकि, यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने और यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए अतिरिक्त सीटों की व्यवस्था करने के लिए भारतीय रेल नई सेवाएं शुरू करती है, सेवाओं का विस्तार करती है, उनकी फेरों में वृद्धि करती है, डिब्बों की संख्या में वृद्धि करती है, भार में वृद्धि करती है, जो परिचालन व्यवहार्यता, संसाधन की उपलब्धता, प्रतिस्पर्धी मांग आदि के अधीन एक सतत प्रक्रिया है। इसके अतिरिक्त, त्योहारी मौसमों, छुट्टियों आदि के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ की आवश्यकता को पूरा करने के लिए, विशेष गाड़ियों का परिचालन और गाड़ियों की अस्थायी तौर पर वृद्धि भी की जाती है।

******

Sk